

मगन हो करके शिव शंकर मधुर डमरु बजाते है

मगन हो करके शिव शंकर,
मधुर डमरु बजाते है,
ये जब मस्ती में आते है,
तभी डमरु बजाते है,
ये जब डमरु बजाते है,
सकल श्रष्टि नचाते है,
कभी नटराज बनकर के,
भोले डमरु बजाते है,
मगन हों करके शिव शंकर,
मधुर डमरु बजाते है.....

सती ने प्राण जब त्यागे,
दक्ष के यज्ञ में जाकर,
वियोगी हो गए भोले,
सती की ये खबर पाकर,
रौद्र डमरु बजाकर शिव,
महा तांडव मचाते है,
मगन हों करके शिव शंकर,
मधुर डमरु बजाते है.....

बजाया एक दिन डमरु,
हिमाचल राजा के दर पर,
मेरे भोले बने दूल्हा,
चले नंदी पे जब चढ़कर,
वहां डमरु की तानो पर,
ये भूतो को नचाते है,
मगन हों करके शिव शंकर,
मधुर डमरु बजाते है.....

बजाया एक दिन डमरु,
श्री दशरथ जी के द्वारे पर,
राम के दरश की इच्छा,
लिए पहुंचे वहां शंकर,
वहां डमरु बजाकर शिव,
ये हनुमत को नचाते है,
मगन हों करके शिव शंकर,
मधुर डमरु बजाते है.....

धरे शिव रूप जोगी का,
नन्द द्वारे पर जब आए,
यशोदा माँ ने कान्हा के,
नहीं जब दर्श करवाए,

बजाकर शिव वहां डमरू,
कन्हैया को रिझाते है,
मगन हों करके शिव शंकर,
मधुर डमरू बजाते है.....

मगन हो करके शिव शंकर,
मधुर डमरू बजाते है,
ये जब मस्ती में आते है,
तभी डमरू बजाते है,
ये जब डमरू बजाते है,
सकल श्रष्टि नचाते है,
कभी नटराज बनकर के,
भोले डमरू बजाते है,
मगन हों करके शिव शंकर,
मधुर डमरू बजाते है.....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/26289/title/magan-ho-karke-shiv-shankar-madhur-damru-bajate-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |